Literacy for a Billion

Movie: Phool Aur Kaante
Year: 1958

Song: Dhire Dhire Is Dil Ka
Lyricist: Sameer

आँखों ने
तुम्हारी मीठी बातों ने

आँखों ने
तुम्हारी मीठी बातों ने
मेरी नींद उड़ाई
मेरा चैन चुराया
सपना सजाया
अपना बनाया
अपना बनाके
सपना सजाके
चुपके से
सिखाया प्यार

धीरे धीरे इस दिल का
छीना है क़रार
धीरे धीरे इस दिल का
छीना है क़रार

आँखों ने
तुम्हारी मीठी बातों ने
मेरी नींद उड़ाई
मेरा चैन चुराया
सपना सजाया
अपना बनाया
अपना बनाके

सपना सजाके
चुपके से
सिखाया प्यार

धीरे धीरे इस दिल का
छीना है क़रार
धीरे धीरे इस दिल का
छीना है क़रार

यादों में आजकल
काटूँ मैं रात दिन
झूठा सारा जहाँ
लगता है तेरे बिन
क्या हाल जिया का
मैं तुझसे बताऊँ
इक पल कहीं मैं
तुझे भूल न पाऊँ
शाम सवेरे
दिल को मेरे
रहता है क्यों
इंतज़ार

धीरे धीरे इस दिल का
छीना है क़रार
धीरे धीरे इस दिल का
छीना है क़रार

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.